स्तन कैंसर की समय पर पहचान बड़ी चुनौती

एम्स भोपाल में शोध : 60 फीसदी महिलाओं को तीसरे स्टेज में चलता है रोग का पता

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 5 फरवरी. महिलाओं में स्तन कैंसर की समय पर पहचान आज भी बड़ी चुनौती बन गई है एम्स के सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग द्वारा किए गए अध्ययन में 60 प्रतिशत महिलाओं में स्तन कैंसर की पहचान स्टेज तीन और चार में होती है. जब रोग काफी बढ़ चुका होता है.

देर से इलाज शुरू होने के कारण जीवन बचने की संभावना भी कम होती है. इसके विपरीत केवल लगभग 32 प्रतिशत मामलों में ही रोग का पता स्टेज दो में चल पाता है. विशेषज्ञों के अनुसार पहचान प्रारंभिक चरण में हो जाए तो स्तन कैंसर का पूरी तरह उपचार हो सकता है और जीवन बच

सकता है. 2022 में दुनिया भर में स्तन कैंसर के करीब 23 लाख नए मामले सामने आए. जिसमें साढ़े 6 लाख महिलाओं की मौत इस बीमारी के कारण हुई. उच्च आय वाले देशों में समय पर जांच और बेहतर इलाज के कारण जीवित रहने की दर 90 प्रतिशत से अधिक है. जबकि भारत में यह दर लगभग 66 प्रतिशत और कुछ संसाधन सीमित देशों में 40 प्रतिशत के आसपास है. देर से निदान और सीमित उपचार सुविधाएं इसका मुख्य कारण मानी जा रही हैं.

सामाजिक संकोच बनता है देरी का कारण: डॉक्टरों के अनुसार स्तन या बगल में बिना दर्द की गांठ स्तन के आकार या बनावट में बदलाव, स्तन के अग्र भाग से स्राव, त्वचा में लालिमा या गड्ढा पड़ना और लगातार दर्द जैसे लक्षणों को नजरअंदाज करना घातक है. अधिकतर महिलाएं सामाजिक संकोच और जानकारी की कमी के कारण समय पर डॉक्टर तक नहीं पहुंच पातीं. नतीजा यह होता है कि रोग बढ़ता जाता है.

40 वर्ष के बाद नियमित जांच जरूरी: डॉक्टरों के अनुसार 40 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं को लक्षण न होने पर भी नियमित जांच करानी चाहिए. यदि परिवार में स्तन कैंसर का इतिहास रहा है तो परामर्श के लिए आगे आना चाहिए. एम्स में स्क्रीनिंग कार्यक्रमों के तहत महिलाओं की क्लिनिकल ब्रेस्ट जांच की जाती है. वहीं आवश्यकता होने पर मैमोग्राफी और आगे की चिकित्सीय प्रक्रिया अपनाई जाती है.

पहली बार फ्री फंक्शनिंग मसल ट्रांसफर सर्जरी

भोपाल, 5 फरवरी. एम्स भोपाल के बर्न्स एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग ने मध्य प्रदेश में पहली बार पैन ब्रैकियल प्लेक्सस इंजरी से पीड़ित 55 वर्षीय पुरुष रोगी में कोहनी के लचीलेपन को बहाल करने के लिए फ्री फंक्शनिंग मसल ट्रांसफर सर्जरी सफलतापूर्वक की है. यह मध्य प्रदेश में इस तरह की पहली सर्जरी है. पैन ब्रैकियल प्लेक्सस इंजरी एक गंभीर स्थिति है, जिसके परिणामस्वरूप ऊपरी अंग का पूर्ण पक्षाघात होता है. इस मामले में, रोगी का प्रभावित अंग पूरी तरह से निष्क्रिय हो गया था. इस जटिल माइक्रोसर्जिकल प्रक्रिया में शरीर के दूसरे भाग (जांघ) से एक कार्यशील मांसपेशी (ग्रैसिलिस) को उसकी तंत्रिका और रक्त आपूर्ति के साथ निकालकर प्रभावित ऊपरी अंग में प्रत्यारोपित किया गया. यह सर्जरी डॉ. दीपक कृष्णा (अतिरिक्त प्रोफेसर), डॉ. राहुल दुबेपुरिया (एसोसिएट प्रोफेसर) के नेतृत्व में बर्न्स एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग की विशेषज्ञ टीम और डॉ. अनुज जैन के नेतृत्व में एनेस्थीसिया टीम द्वारा की गई.

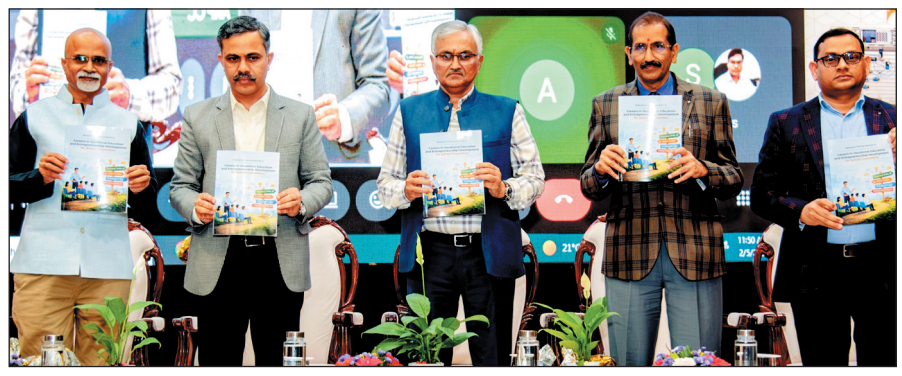

कौशल शिक्षा अब विकल्प नहीं, जरूरत बन गई है

पीएसएससीआईवीई में बैठक में शिक्षा मंत्रालय की संयुक्त सचिव ने कहा

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 5 फरवरी. कौशल शिक्षा अब किसी विकल्प की तरह नहीं बल्कि भविष्य की अनिवार्य आवश्यकता बन चुकी है. यह बात शिक्षा मंत्रालय की संयुक्त सचिव प्राची पांडेय ने पंडित सुंदरलाल शर्मा केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान भोपाल में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय परामर्श बैठक के उद्घाटन सत्र में कही.

प्राची पांडेय ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत व्यावसायिक शिक्षा को विद्यालयी शिक्षा की मुख्यधारा में शामिल किया जा रहा है. लेकिन बदलती दुनिया और रोजगार की मांगों को देखते हुए अब आजीवन कौशल अधिगम और जरूरी हो गया है. उन्होंने बताया कि प्रारंभिक कक्षाओं से कौशल परिचय, बैगलेस दिवस, उद्योग सहभागिता और करियर मार्गदर्शन जैसे प्रावधान विद्यार्थियों को अनुभव के साथ भविष्य उपयोगी शिक्षा से जोड़ रहे हैं. जिससे आज कौशल आधारित शिक्षा अब मुख्य करियर पथ बन चुकी है. कार्यक्रम में पीएसएससीआईवीई के संयुक्त निदेशक डॉ दीपक पालीवाल ने कहा कि व्यावसायिक शिक्षा विद्यार्थियों को कार्य दुनिया के लिए तैयार करने में अहम भूमिका निभा रही है.

टेलीस्कोप से देखे सूर्य के विशाल धब्बे

आंचलिक विज्ञान केंद्र में खगोल विज्ञान से रूबरू हुए बच्चे

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 5 फरवरी. जब विज्ञान की पढ़ाई किताबों से निकलकर आकाश की सच्ची घटनाओं से जुड़ती है तो जिज्ञासा रोमांच में बदल जाती है. आंचलिक विज्ञान केन्द्र गुरुवार को ऐसा ही दृश्य देखने को मिला, जब विद्यार्थियों ने सूर्य पर बने विशाल सनस्पॉट एआर चार तीन छह छह का प्रत्यक्ष अवलोकन किया.

कक्षा में पढ़ी गई भौतिकी और खगोल विज्ञान की अवधारणाएं जब सूर्य की सतह पर जीवंत रूप में दिखीं तो कई छात्रों की आंखों में वैज्ञानिक बनने का सपना साफ

नजर आया. विशेष सत्र में छात्रों ने सूर्य की सतह पर मौजूद उस दैत्याकार धब्बे को देखा. जो आकार में इतना बड़ा है कि अपने भीतर कई पृथ्वियों को समाहित कर सकता है. यह अनुभव केवल देखने तक सीमित नहीं रहा बल्कि सूर्य की चुंबकीय ऊर्जा और उसकी तीव्र गतिविधियों को समझने का अवसर भी बना. विशेषज्ञों ने बताया कि यही सनस्पॉट हाल के समय की सबसे शक्तिशाली एक्स क्लास सौर ज्वालाओं का स्रोत रहा है.

शहर में बनेगी एडवांस फिजियोथेरेपी यूनिट

भोपाल, 5 फरवरी. भौतिक चिकित्सक कल्याण संघ के अध्यक्ष डॉ. सुनील पाण्डेय ने विगत दिवस भोपाल कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह से मिलकर मांग की है भोपाल जिले में एडवांस फिजियोथेरेपी यूनिट व जिला अस्पताल में फिजियोथेरेपी चिकित्सा में मास्टर डिग्री हासिल किए हुए विषय विशेषज्ञों द्वारा इलाज़ सुनिश्चित हो. ताकि मरीज़ों को बेहतर इलाज़ मिल सके. संघ अध्यक्ष डॉ. पाण्डेय ने बताया कि इस मांग को ध्यान में रखते हुए तत्काल कलेक्टर ने भोपाल जिला चिकित्सालय के सिविल सर्जन डॉ. संजय जैन को कलेक्टर ऑफिस बुला कर उक्त विषय को गंभीरता से लेने को कहा.

व्यंग्य नाटक 'यह तो चमत्कार है' का मंचन

भोपाल, 5 फरवरी. द रिफ्लेक्शन सोसाइटी फॉर परफॉर्मिंग आर्ट एंड कल्चर भोपाल द्वारा इस हास्य व्यंग्य नाटक 'यह तो चमत्कार है' का कथानक भी एक चमत्कार है, जिसमें एक परिवार है सास ससुर पति और उसकी पत्नी रिमझिम, रिमझिम ने शादी से पहले ही ससुराल वालों से शर्त रखी थी कि वह शादी के बाद भी पढ़ाई करेगी, जबकि पति बादल भी एक साइंटिस्ट है, जो एक नया परमाणु बम पर शोध कर रहा है.

शादी के बाद रिमझिम भी साइंटिस्ट बन जाती है, लेकिन वह परमाणु बम के विपरीत कुछ क्रिएट करना चाहती है. जिस से युद्ध में मानव और मानवता को बचाया जा सके. अंत में उसको आइडिया मिल जाता है. वह परिवार को बताती है सब उसके विचार से प्रसन्न हो जाते हैं. शोध करती है एक बार फेल भी होती है, मगर एक दिन कामयाब हो जाती है, एक ऐसा बम बनाती है जिसकी गैस का असर केवल कपड़ों पर होता है, कपड़े गल कर गिर जाते हैं. अब पड़ोसी को देश से जंग होती है तो रिमझिम के बनाए बम ही प्रयोग होते है, जिससे सिपाही नंगे हो जाते हैं, आम लोग भी नंगे हो जाते हैं. एक कर्फ्यू सा लग जाता है, और व्यापार आवाजाही सब कुछ बंद हो जाता है पड़ोसी देश हार मान लेता है. सभी कलाकारों ने अपने चरित्रों को साथ पूर्ण न्याय किया है, बादल के रूप में डायमन्ड सोनी, रिमझिम के चरित्र को निभाया है ट्विंकल ने, सास तपस्या तिवारी, ससुर शिशिंद्र, नेता शामिर अली, 15 कलाकारों ने अपने अभिनय से इस नाटक के पहले मंचन को कामयाब किया है.

एक नजर में

बीना की चित्र प्रदर्शनी का शुभारंभ आज

भोपाल, 5 फरवरी. भारत भवन में शुक्रवार को चौसठ योगिनी पर केंद्रित चित्र प्रदर्शनी का शुभारंभ होगा. यह प्रदर्शनी रूपंकर कला प्रभाग द्वारा संयोजित की गई है. तीन दिवसीय प्रदर्शनी में केरल की वरिष्ठ चित्रकार बीना एस उन्नीकृष्णन के एकल चित्रों को प्रदर्शित किया जाएगा. प्रदर्शनी को आधुनिक कला दीर्घा में लगाया गया है, जो कला प्रेमियों के लिए एक विशेष आकर्षण का केंद्र बनेगा. चित्रकार बीना एस उन्नीकृष्णन ने बताया कि यह पहली बार है जब वह मध्यप्रदेश में चौसठ योगिनी पर आधारित चित्रों का प्रदर्शन कर रही हैं. इस प्रदर्शनी में चौसठ योगिनी के माध्यम से फेमिना इन एनर्जी को प्रस्तुत किया गया है, जो महिला शक्ति और प्रकृति की अद्वितीय सृष्टि को दर्शाता है. प्रदर्शनी में 68 चित्र शामिल हैं, जिन्हें बीना ने पाँच वर्षों की कठिन मेहनत और समर्पण के बाद तैयार किया है. प्रदर्शनी में प्रदर्शित चित्र एक्रेलिक रंगों में तैयार किए गए हैं, जो जीवंतता और ऊर्जा से भरपूर हैं. इसके साथ ही, चित्रकार द्वारा तैयार की गई 64 योगिनी पर केंद्रित डॉक्यूमेंट्री भी प्रदर्शित की जाएगी. चित्र प्रदर्शनी का शुभारंभ शाम 5 बजे होगा.

शारदा नगर में श्रीमद् भागवत कथा 22 से

भोपाल, 5 फरवरी. अयोध्या नगर क्षेत्र के शारदा नगर में संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ 22 फरवरी को होगा. इस दौरान सुबह 10 बजे कलश यात्रा निकाली जाएगी. कथा का समापन 1 मार्च दिन रविवार को होगा. यह आयोजन श्री राधारानी महिला मंडल समिति और समस्त अयोध्या नगर नगरवासियों द्वारा किया जा रहा है. प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से कथा व्यास पं. दुर्गाप्रसाद शर्मा श्रद्धालुओं को श्रीमद् भागवत कथा सुनाएंगे. इस आयोजन में राज्यमंत्री कृष्णा गौर मुख्य अतिथि होंगी.

अनुशासन और सही योजना जीवन में आगे बढ़ने की कुंजी

बच्चों के प्रश्नों का कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने दिया जवाब

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 5 फरवरी. कक्षा में बैठे बच्चों ने जब करियर जीवन कौशल और भविष्य की योजना पर खुलकर सवाल पूछे तो मंच से मिले जवाबों ने उनके आत्मविश्वास को नई उड़ान दी. मौका था विद्यालय की वार्षिक पत्रिका आयाम के विमोचन समारोह का, जहां शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं रही बल्कि जीवन से जुड़ी सीख में बदलती दिखी.

सांदीपनि विद्यालय निशातपुरा में गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कलेक्टर

कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि परीक्षा के अंक महत्वपूर्ण हैं लेकिन समय प्रबंधन, अनुशासन और सही योजना जीवन में आगे बढ़ने की असली कुंजी है. उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए बच्चों को जीवन में लक्ष्य तय करने, जीवन कौशल सीखने और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया. इससे पहले कलेक्टर ने विद्यालय परिसर का भ्रमण करते हुये पुस्तकालय, भाषा प्रयोगशाला, आईसीटी कक्षा, मनोवैज्ञानिक परामर्श कक्ष और करियर मार्गदर्शन से जुड़ी गतिविधियों का अवलोकन भी किया. साथ ही विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई स्क्रैप गैलरी और सीखने की गतिविधियों की सराहना की गई.

कार्यक्रम के दौरान वार्षिक पत्रिका आयाम 2026 का विमोचन किया गया. पत्रिका के माध्यम से विद्यार्थियों की रचनात्मकता और विचारों को मंच मिला है.

45 की उम्र में सीखी चित्रकला

55 की उम्र में बना रहे प्रकृति से जुड़ी आकर्षक कलाकृतियां

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 5 फरवरी. सीखने की कोई उम्र नहीं होती और खुद के बच्चों से सीखना कला को और निखारता है. यह कहना है गोण्ड समुदाय के चित्रकार कुम्हार सिंह धुर्वे का. जिनकी कलाकृतियां लिखन्दरा चित्र प्रदर्शनी के अन्तर्गत मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में लगायी गयी हैं.

कुम्हार सिंह धुर्वे ने बताया कि उनके तीन बच्चे हैं और तीनों ही चित्रकारी करते हैं. उनसे ही आज से करीब 10 साल पहले उन्होंने कैनवास में रंगों को उकेरना सीखा है और आज 55 साल की उम्र में ढेरों चित्र बनाकर अपनी कला और हुनर से लोगों की प्रशंसा बटोर रहे हैं. धुर्वे ने बताया कि अब तक सबसे अधिक समय उन्हें 12 दिन का सबसे बड़े कैनवास 3 बाई 4 पर चित्रकारी करने लगा है. जिसमें उन्होंने हाथी और उसके बच्चों को दिखाया है. यह कलाकृति गोण्ड शैली में बनाई गयी है. इस शैली की विशेषता जटिल पैटर्न, चमकीले रंग और बारीक रेखाओं का काम है.

बारीकियां गढ़ने में लगता है समय

चित्रकारी में बारीकियों का बहुत ध्यान रखना पड़ता है, इन्हे भरने में समय लगता है. वो भी तब जब पेन के प्रयोग से चित्रों में सटीक आकृतियों को जन्म दे रहे हों. ऐसे समय में मन में स्थिरता और शान्ति होनी चाहिये, जिससे काम में एक अलग ही चमक निकर कर सामने आती है.

जो मन में दिखा, वही कैनवास पर उतारा

कुम्हार धुर्वे बताते हैं कि जब ब्रश पकड़ते हैं तो मन में जो कलाकृतियां आती हैं बस उसको ही रचते चले जाते हैं. आस-पास की प्रकृति की सुंदरता ही मन को भाती है, उनसे ही नई नई संरचनाएं और कलाकृतियां बनती जाती हैं.

आज 30 इलाकों में बिजली कटौती

भोपाल, 5 फरवरी. राजधानी भोपाल में मेंटनेंस के लिए शुक्रवार को लगभग 30 इलाकों में बिजली कटौती होगी. शुक्रवार सुबह 10 से शाम 4 बजे तक टिंबर मार्केट, कैंची छोला, सत्यज्ञान कॉलोनी, नवजीवन कॉलोनी. सुबह 10 से शाम 4 बजे तक चांदबाड़ी, शिवशक्ति नगर, प्रेम नगर, सिंधी कॉलोनी,इस्लामी गेट, पिपलिया पेंदे खां, बजरिया, शाहजहांनाबाद. सुबह 10 से शाम 5 बजे तक गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया. सुबह 10 से शाम 5 बजे तक एमएलए रेस्ट हाउस सहित इलाकों में बिजली बंद रहेगी.

प्रेस दल ने देखे वीथी संकुल और रॉक आर्ट केव

कोलकाता के पत्रकारों ने किया मानव संग्रहालय का भ्रमण

भोपाल, 5 फरवरी. सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो, मध्यप्रदेश के समन्वय से प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो, कोलकाता से आए 10 सदस्यीय प्रेस दल ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल का भ्रमण किया.

इस भ्रमण का उद्देश्य मानव संग्रहालय की अवधारणा, प्रदर्शनी संरचना एवं सांस्कृतिक-मानवशास्त्रीय महत्व को प्रत्यक्ष रूप से समझना रहा. भ्रमण के दौरान प्रेस दल द्वारा संग्रहालय के वीथी संकुल, जनजातीय आवास (Tribal Habitat) तथा रॉक आर्ट केव (शैलचित्र गुफा) का विस्तारपूर्वक अवलोकन किया गया. प्रेस दल के सदस्यों को मानव संग्रहालय के जनसंपर्क अधिकारी हेमंत बहादुर सिंह परिहार द्वारा संग्रहालय की अवधारणा, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक पृष्ठ भूमि एवं शैक्षणिक महत्ता पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई. प्रेस दल में पारिजात बंद्योपाध्याय, प्रशांत घोष, निरुफा खातून, राजीब चक्रवर्ती, राजीव कुमार झा, सार्थक दासगुप्ता, अमल सरकार एवं नेताई मालाकार, श्रीजाता साहा साहू (सहायक निदेशक, पीआईबी, कोलकाता), देबाशीष मुखर्जी (कैशियर, पीआईबी, कोलकाता) सम्मिलित रहे. प्रेस दल को संग्रहालय की अंतरंग प्रदर्शनी वीथी संकुल में संग्रहालय अधिकारी एन. सकमाचा सिंह द्वारा मानव सभ्यता, विविध जीवन पद्धतियों पर आधारित प्रदर्शनों से अवगत कराया गया.

शिविर | एसबीआई के स्थानीय प्रधान कार्यालय में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

स्वस्थ स्टाफ ही सशक्त संगठन की नींव : सीजीएम

भोपाल, 5 फरवरी. देश के सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बढे बैंक भारतीय स्टेट बैंक ने स्थानीय प्रधान कार्यालय में आज कर्मचारियों के स्वास्थ्य, ऊर्जा और कार्यक्षमता को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से कॉरपोरेट एम्पलाई इंगेजमेंट के तहत एक भव्य हेल्थ अवेयरनेस कैंप का सफल आयोजन किया गया.

कार्यक्रम का शुभारंभ सर्किल के मुखिया मुख्य महाप्रबंधक प्रभाष कुमार सुबुद्धि, महाप्रबंधक-2 ओंकारनाथ चौधरी, महाप्रबंधक-3 मनोज कुमार तथा डीजीएम एवं सीडीओ मनीष मठपाल द्वारा स्वयं का हेल्थ चेकअप करवाकर किया गया.

इस अवसर पर स्थानीय प्रधान कार्यालय के अधिकारी एवं

कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और पूरे उत्साह व अनुशासन के साथ कार्यक्रम में भाग लिया. शिविर के अंतर्गत ब्लड प्रेशर, शुगर, ईसीजी, नेत्र परीक्षण सहित विभिन्न स्वास्थ्य जांच की गई तथा अनुभवी चिकित्सकों द्वारा व्यक्तिगत परामर्श भी प्रदान किया गया. महाप्रबंधक चौधरी, मनोज कुमार तथा डीजीएम-सीडीओ मठपाल ने भी इस सराहनीय पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम कर्मचारियों में आत्मविश्वास, ऊर्जा एवं कार्य संतुलन को बढ़ावा देते हैं. कार्यक्रम के समापन पर सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रमों को निरंतर आयोजित करने का संकल्प लिया.

> मुख्य महाप्रबंधक सुबुद्धि ने अपने संबोधन में कहा कि- 'स्वस्थ शरीर और सकारात्मक सोच ही उत्कृष्ट कार्य निष्पादन की कुंजी है. यदि हम अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखेंगे, तो संगठन भी निरंतर प्रगति की राह पर अग्रसर रहेगा.' उन्होंने सभी कर्मचारियों से नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराने एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया.

बीएसएसएस के छात्रों ने एकलव्य संगठन का किया दौरा

भोपाल, 5 फरवरी. भोपाल स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज (बीएसएसएस) के सोशल वर्क विभाग ने बीएसडब्ल्यू और एमएसडब्ल्यू के छात्रों के लिए भोपाल में एकलव्य संगठन का एक एक्सपोजर विजिट आयोजित किया. इस दौरे का मकसद छात्रों को इनोवेटिव और छात्र-केंद्रित शैक्षिक तरीकों का प्रैक्टिकल अनुभव देना और स्कूली शिक्षा को मजबूत करने में गैर-सरकारी संगठनों की भूमिका को समझना था. दौरे के दौरान, छात्रों ने शिव नारायण और मनोज द्वारा संगठन के विजन, कार्यक्रमों और शैक्षिक सुधार में योगदान के बारे में बताया गया. छात्रों ने पाठ्यक्रम डिजाइन, शैक्षिक कार्यक्रमों के फील्ड-स्तर पर लागू करने जानकारी हासिल की.

अंतरराष्ट्रीय योगिनी कॉन्फ्रेंस मार्च में

दो दिनी आयोजन एनसीईआरटी श्यामला हिल्स में होगा

भोपाल, 5 फरवरी. राजधानी भोपाल में छठवां अंतरराष्ट्रीय योगिनी कॉन्फ्रेंस एवं अवार्ड प्रोग्राम 14-15 मार्च को पं. सुंदरलाल ट्रेनिंग सेंटर फॉर वोकेशनल (एनसीईआरटी), श्यामला हिल्स में आयोजित किया जाएगा.

उक्त जानकारी देते हुए भारतीय योगिनी महासंघ की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. आर एच लता ने बताया कि इस दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में न केवल भारत बल्कि सिंगापुर, जापान, नेपाल, साउथ कोरिया, अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस सहित कई देशों से ख्यातिप्राप्त योगिनियों का आगमन होगा. ये योगिनियां योग, स्वास्थ्य और जीवनशैली से जुड़े अपने शोध पत्र प्रस्तुत करेंगी तथा

उत्कृष्ट योगदान के लिए अंतरराष्ट्रीय योगिनी अवार्ड से सम्मानित की जाएंगी.

इस एक्सपो में नॉर्थ ईस्ट और पर्वतीय राज्यों—हिमाचल प्रदेश, लेह-लद्दाख, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, मेघालय, असम, त्रिपुरा, नागालैंड आदि—से आई ग्रामीण उद्यमी महिलाएं अपने उत्पादों के स्टॉल लगाएंगी. साथ ही योग से जुड़े उनके नवाचार, स्थानीय संस्कृति, लोकनृत्य और पारंपरिक कलाओं की झलक भी प्रदर्शनी के माध्यम से प्रस्तुत की जाएगी. यह मंच ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भरता और वैश्विक पहचान की दिशा में आगे बढ़ाने का सशक्त प्रयास होगा.

डॉ लता ने बताया कि यह भव्य आयोजन भारतीय योगिनी संघ के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें व्यासा सिंगापुर, योगा लाइफ ग्लोबल, आरोग्य भारती, लोटस जापान, मध्य प्रदेश योग शिक्षक संघ सहित कई प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की सहभागिता रहेगी.